News & Coverage
Osaka(World Expo 2025)
Media Centre
9th June 2025

PRESS TRUST OF INDIA
India's premier news agency

India Pavilion at Japan expo showcasing heritage, sustainability draws crowd

NEW DELHI: (Jun 7) The India Pavilion at the ongoing World Expo in Osaka is a celebration of the country's rich heritage, and its design with sustainability at core draws inspiration from the image of Bodhisattva Padmapani in the ancient Ajanta Caves.

A top official of the Indira Gandhi National Centre for the Arts (IGNCA) here on Saturday said, the pavilion with its iconic facade with blue lotus motif, is currently among the "top five most-visited pavilions" at the mega fair in Japan.

Later, the IGNCA, in a statement, said that the other four countries in the top five list, whose pavilions are drawing huge crowd are -- the US, Italy, Japan and France.

THE HINDU

India showcases cultural renaissance at Osaka World Expo

Indian pavilion highlights ancient philosophies and modern aspirations under theme of compassion and inclusivity

Updated - May 31, 2025 08:32 pm IST - New Delhi

While nations across the globe are displaying their modern might at the World Expo in Osaka, India has focussed on its soft power and showcased a cultural renaissance. Photo credit: X/@IndianEmbTokyo

While nations across the globe are displaying their modern might at the World Expo in Osaka, India has focussed on its soft power and showcased a cultural renaissance.

The Osaka Expo, a World Expo being held in Japan, carries the theme "Designing Future Society for Our Lives." This international event, held every five years for six months, focuses on showcasing innovations and fostering exchange between nations and cultures to address global challenges.

It aims to create a "Living Lab" where diverse participants come together to co-create and implement solutions for global issues, including the Sustainable Development Goals (SDGs).

This year the Expo is being held from April 13 to October 13.

The Indian pavilion, curated by the Indira Gandhi National Centre for the Arts (IGNCA), is described as an "immersive civilisational experience, rooting India's global identity in compassion and the flowing wisdom of the Bodhi stream," a senior official at IGNCA said.

"From conceptualization to storytelling, IGNCA has played the role of a modern-day sutradhar (narrator), stringing together India's ancient philosophies and contemporary ambitions," he added.

The IGNCA is an autonomous body under the Union Culture Ministry.

The design of the pavilion is a tribute to 'Bodhisattva Padmapani' from the iconic Ajanta Caves, symbolising compassion, enlightenment, and knowledge.

Bodhisattva Padmapani is a prominent figure in Mahayana Buddhism, representing compassion and mercy.

Aligned with the "Connecting Lives" theme, the India Pavilion embodies the nation's values of inclusivity, sustainability, and progress, serving as a bridge between its spiritual heritage and its ambitious future.

Among the many features of the pavilion is the Lotus Courtyard, which showcases a curated collection of Bodhisattva forms and artistic reproductions of frescoes from the 2,000-year-old Ajanta Caves, a UNESCO World Heritage site.

Within the pavilion is the 'Oneness Lounge', at the heart of which is the Bodhi tree as a central design element — abstracted and reimagined — while the 'Heritage Zone' celebrates India's rich legacy by showcasing UNESCO World Heritage Sites alongside an immersive presentation of hidden treasures, aiming to boost tourism and global recognition.

The pavilion also highlights India's space programme. Visitors traverse thematic exhibits celebrating India's achievements. There is also a 'Wall of Life', focusing on internal well-being through Yoga and Ayurveda.

समर सलिल
www.samarsaleel.com

जापान में 13 अक्तूबर तक चलने वाले ओसाका वर्ल्ड एक्सपो में भारत का 5वां स्थान

जापान के ओसाका में आयोजित वर्ल्ड एक्सपो 2025 में भारत मंडप को दुनियाभर के शीर्ष पांच मंडपों में शामिल किया गया है। यह मंडप इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए) की तरफ से संस्कृति मंत्रालय के निर्देशन में तैयार किया गया है।

भारत ने 'संगम' से अंतरराष्ट्रीय दर्शकों का ध्यान खींचा

बता दें कि ओसाका एक्सपो 13 अक्तूबर 2025 तक चलेगा, जिसमें 160 से अधिक देश भाग ले रहे हैं। भारत मंडप ने अपनी सांस्कृतिक विविधता, तकनीकी उन्नति और आधुनिकता के संगम से अंतरराष्ट्रीय दर्शकों का ध्यान खींचा है।

आयुर्वेद, विरासत और सतत विकास जैसे विषय

मंडप में नवाचार, इसरो, आयुर्वेद, विरासत और सतत विकास जैसे विषयों को दर्शाया गया है। पैवेलियन में गरबा वर्कशॉप, योग सत्र, पारंपरिक परिधानों का प्रदर्शन और प्रामाणिक भारतीय व्यंजन आगंतुकों को आकर्षित कर रहे हैं।

'वसुधैव कुटुंबकम' को उजागर करता है मंडप

भारत मंडप की केंद्रीय थिम अजंता की गुफाओं से प्रेरित पद्मपाणि बोधिसत्व की छवि है, जो भारत की करुणा और ज्ञान परंपरा का प्रतीक है। आईजीएनसीए के सदस्य सचिव डॉ. सच्चिदानंद जोशी ने इसे भारत की सांस्कृतिक कूटनीति का सशक्त माध्यम बताया है।

हिन्दुस्थान समाचार
Hindusthan Samachar

ओसाका के वर्ल्ड एक्सपो के शीर्ष मंडपों में शामिल भारत मंडप, आईजीएनसीए ने किया तैयार

नई दिल्ली, 7 जून (हि.स.)। जापान के ओसाका में चल रहे वर्ल्ड एक्सपो में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए) द्वारा क्यूरेट किया गया 'भारत मंडप' सबसे लोकप्रिय आकर्षणों में उभर कर सामने आया है। इसने शीर्ष पांच मंडपों में जगह बनाई है। जापान ट्रैवल ब्यूरो (टीबी) के प्रतिनिधि और डिप्टी पेवेलियन डायरेक्टर यामामोटो-सान द्वारा की गई समीक्षा के अनुसार, भारत के मंडप को एक्सपो में अमेरिका, इटली, जापान और फ्रांस के साथ शीर्ष पांच मंडपों में स्थान दिया गया है। वर्ल्ड एक्सपो में मौजूद मंडपों की यह श्रेणी एक्सपो अधिकारियों, आम जनता और जापानी सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं से इनपुट के आधार पर बनाई गयी है।

ओसाका वर्ल्ड एक्सपो में भारत की भागीदारी की प्रगति के बारे में आईजीएनसीए के सदस्य सचिव डॉ. सच्चिदानंद जोशी ने शनिवार को यहां आयोजित पत्रकार वार्ता में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विश्व एक्सपो, 2025 में भारत पैवेलियन देश की प्राचीन ज्ञान परम्परा, आधुनिक आकांक्षाओं और वैश्विक भागीदारी का प्रमाण है। रणनीतिक रूप से 'कनेक्टिंग लाइव्स जोन' में स्थित यह पैवेलियन भारत की सभ्यतागत गहराई के साथ-साथ इसकी तकनीकी उन्नति और चिरस्थायी विकास के प्रति प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है।

सही मायनों में भारत मंडप न केवल एक सांस्कृतिक प्रदर्शनी स्थल बन गया है, बल्कि यह भारत की सांस्कृतिक कूटनीति यानी सॉफ्ट पावर का एक सशक्त माध्यम भी है, जो दुनिया के लोगों को भारत की विविधता, समृद्धि और नवाचार से परिचित कराता है।

उन्होंने कहा कि वाणिज्य मंत्रालय द्वारा संस्कृति मंत्रालय के मार्गदर्शन में की जा रही इस पहल को 'इंडिया ट्रेड प्रोमोशन ऑर्गनाइजेशन' (आईटीपीओ) और आईजीएनसीए के संस्थागत सहयोग से साकार किया जा रहा है। मंडप की रचनात्मक दृष्टि और गूढ़ सांस्कृतिक डिजाइन को आईजीएनसीए ने बहुत ही कम समय में क्रियान्वित किया है, जो न केवल संस्थागत दक्षता, बल्कि गहन सांस्कृतिक संवेदनशीलता को भी दर्शाता है।

देर से जगह के आवंटन के बावजूद आईजीएनसीए की टीम ने जापानी अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित करते हुए भारत मंडप में देश के सभ्यतागत मूल्यों की सूक्ष्मता को दर्शाते हुए एक गतिशील और व्यापक सांस्कृतिक अनुभव प्रदान किया, जिसे अब वैश्विक मंचों पर व्यापक रूप से सराहा जा रहा है।

उन्होंने कहा कि भारत मंडप में नवाचार (इनोवेशन), विरासत, आयुर्वेद, इसरो और सतत विकास को समर्पित विभिन्न सेक्शन शामिल हैं, जो भारत की भूमिगत संपदाओं से लेकर अंतरिक्ष तक की यात्रा का बखूबी चित्रण करते हैं। यह मंडप अतीत का सम्मान करते हुए भविष्य की संभावनाओं को भी दर्शाता है।

सीमित प्रवेश और लंबी कतारों वाले मंडपों के विपरीत भारत पैवेलियन में बहुत कम इंतजार के बाद एक निर्बाध अनुभव प्राप्त होता है, जिससे मेहमान अपनी सुविधा के साथ पेवेलियन का अवलोकन कर सकते हैं। इसके शानदार प्रदर्शन, प्रामाणिक भारतीय व्यंजन और इंटरैक्टिव सांस्कृतिक तत्व, जैसे- गरबा डांस वर्कशॉप, पारम्परिक परिधान प्रदर्शन और एक भारतीय आचार्य द्वारा लाइव योग सत्र उत्साही भीड़ को आकर्षित कर रहे हैं। बच्चे और परिवार विशेष रूप से इस जीवंत प्रदर्शनी का आनंद ले रहे हैं।

डॉ. जोशी ने कहा कि भारत पैवेलियन एक लोकप्रिय सांस्कृतिक गंतव्य बन गया है, जिसमें परम्परा की गर्मजोशी, रचनात्मकता और सुलभता तीनों का सुंदर मेल है और इन्हीं वजहों से इसकी सराहना हो रही है।

थीम और सांस्कृतिक दर्शन

अजंता की गुफाओं से प्रेरित करुणा के अवतार पद्मपाणि बोधिसत्व की छवि को भारत मंडप के केंद्र में रखा गया है। यह आधुनिक स्टोरीटेलिंग के साथ आध्यात्मिक सौंदर्य का संगम प्रतीत होता है। आईजीएनसीए ने 'नील कमल अग्रभाग', 'बोधिवृक्ष स्थापना' और 'बहती जलधारा' जैसे प्रतीकों के माध्यम से भारत की सनातन विचारधारा को आधुनिक वैश्विक संदर्भों में प्रस्तुत किया है, जो आगंतुकों को भारत के करुणा, परस्पर संबद्धता, गतिशीलता और बदलाव के शाश्वत संदेश का दर्शन कराते हैं।

शांति से परिपूर्ण कमल प्रांगण से लेकर गतिशील एकात्मकता लाउंज तक, मंडप उपनिषदों के ज्ञान 'वसुधैव कुटुम्बकम' अर्थात् विश्व एक परिवार है की भावना को दर्शाता है। यह अंतरराष्ट्रीय आगंतुकों को भारत की जीवंत विरासत के साथ एक सार्थक मुलाकात कराता है, जो समावेशिता, संवाद और आध्यात्मिक सद्भाव को रेखांकित करता है।

डॉ. जोशी ने कहा कि भारत का प्रतिनिधित्व करने का अर्थ है विचार, करुणा और उपलब्धियों की विरासत को आगे बढ़ाना। यह मंडप महज एक संरचना नहीं है, बल्कि यह एक जीवंत अनुभव है, जहां परम्परा नवाचार के साथ प्रवाहित होती है और विश्व को भारत की शाश्वत आत्मा की प्रतिध्वनि सुनाई देती है।

गौरतलब है कि ओसाका वर्ल्ड एक्सपो जिसे आधिकारिक रूप से 'एक्सपो 2025 ओसाका, कंसाई, जापान' नाम दिया गया है, एक वैश्विक प्रदर्शनी है। यह 13 अप्रैल से 13 अक्टूबर 2025 तक जापान के ओसाका शहर में आयोजित हो रही है। इसका मुख्य विषय है- 'डिजाइनिंग फ्यूचर सोसाइटी फॉर अवर लाइव्स' (हमारे जीवन के लिए भावी समाज की अभिकल्पना)। इस आयोजन में 160 से अधिक देश और 9 अंतरराष्ट्रीय संगठन भाग ले रहे हैं। इसमें करीब 2 करोड़ 80 लाख लोगों के आने की उम्मीद है।

INDIALIFE

India Pavilion rated among top 5 at 'World Expo 2025' in Japan

New Delhi, June 8
The India Pavilion titled 'Bharat Mandap' has secured a place among the top five most admired pavilions at the ongoing 'World Expo 2025' in Osaka, Japan, it was announced on Saturday.

According to a review by Yamamoto-san, Deputy Pavilion Director and representative of the Japan Travel Bureau (JTB), the India Pavilion was ranked alongside global heavyweights such as the United States, Italy, France, and Japan.

The India Pavilion's popularity is based on feedback from Expo officials, Japanese citizens, and online engagement on social media platforms.

For the first time, the Ministry of Culture has been entrusted with the responsibility of curating the Pavilion — previously managed by the Ministry of Commerce.

The Indira Gandhi National Centre for the Arts (IGNCA) was appointed as the nodal agency to curate and execute this significant international showcase, which will remain open to the public until October 13.

Dr Sachchidanand Joshi, Member Secretary of IGNCA, stated that the Pavilion is a comprehensive reflection of India's ancient knowledge systems, modern technological aspirations, and growing global footprint.

Strategically located in the 'Connecting Lives Zone', the Pavilion encapsulates India's civilisational values while projecting its contemporary ambitions in sustainable development, innovation, and digital growth.

The Bharat Mandap stands as more than an architectural marvel; it is a living, breathing embodiment of India's cultural diplomacy. It offers a uniquely immersive experience to international visitors through rich exhibits, interactive cultural sessions, and artistic installations.

Despite receiving space allocation at a later stage, the IGNCA executed the vision with exceptional speed and finesse. Working closely with Japanese authorities, they created a Pavilion that seamlessly integrates heritage and innovation. This effort has garnered praise from global dignitaries, visitors, and cultural connoisseurs alike.

Unlike other international pavilions characterised by long queues and restricted access, the India Pavilion offers a smooth, welcoming, and inclusive experience.

At the spiritual heart of the Pavilion stands a magnificent image of Padmapani Bodhisattva, inspired by Ajanta cave murals — a symbol of India's timeless compassion. Artistic elements like the Blue Lotus Façade, Bodhi Tree Installation, and Flowing Waters express India's philosophical essence — interconnectedness, peace, and transformation.

India's 🇮🇳 Eternal Spirit showcased at Osaka

*** From Ajanta to Osaka: IGNCA Brings India's Eternal Spirit to the Global Stage***

• India Pavilion at World Expo 2025, Osaka, conceptualised and designed by IGNCA

2nd May, Osaka Japan

The India Pavilion at the World Expo 2025 in Osaka is not merely a marvel of architectural excellence but a profound convergence of India's spiritual traditions and modern achievements. Conceptualised and designed by the Indira Gandhi National Centre for the Arts (IGNCA), the Pavilion prominently features an image of the Padmapani Bodhisattva, inspired by the Ajanta caves.

Inspired by India's 2,000-year-old artistic and cultural values, the India Pavilion brings alive the philosophy of Vasudhaiva Kutumbakam- 'The world is one family.' Through symbols such as the 'Blue Lotus Façade', the 'Bodhi Tree Installation', and the 'Flowing Water Stream', IGNCA has presented India's eternal thought traditions in a contemporary global context. Dr. Sachchidanand Joshi, Member Secretary of IGNCA, remarked that the India Pavilion is not just an exhibition but a spiritual and cultural journey that highlights the soul, traditions, and progress of India.

The Pavilion comprises diverse sections dedicated to innovation, heritage, Ayurveda, ISRO, and sustainable development, offering a compelling narrative of India's journey from its subterranean treasures to outer space. While paying homage to the past, the Pavilion also envisions the possibilities of the future. It has emerged as a vibrant platform of India's cultural diplomacy; its soft power-that acquaints the world with the country's diversity, richness, and innovation.

It is noteworthy that the Osaka World Expo 2025-officially titled 'Expo 2025 Osaka', Kansai, Japan-is a global exhibition currently underway in the city of Osaka, Japan, and will continue until 13 October 2025. The central theme of the event is 'Designing Future Society for Our Lives.' Over 160 countries and 9 international organisations are participating in the Expo, which is expected to attract nearly 28 million visitors. This six-month-long event aims to redefine our world through forward-looking pavilions and showcases of cutting-edge technologies.

PIB

विश्व एक्सपो ओसाका में भारत मंडप शीर्ष मंडपों में शामिल

आईजीएनसीए को भारत मंडप में सहयोग का दायित्व दिया गया

विश्व एक्सपो ओसाका में भारत: संस्कृति, व्यापार और करुणा का संगम

भारत मंडप: प्राचीन सांस्कृतिक विरासत और आधुनिक प्रगति का मेल

Posted On: 07 JUN 2025 9:30PM by PIB Delhi

जापान के ओसाका में चल रहे वर्ल्ड एक्सपो 2025 में भारत मंडप ने शीर्ष पांच सबसे प्रशंसित मंडपों में स्थान बनाया है। यह जानकारी जापान ट्रैवल ब्यूरो (जेटीबी) के प्रतिनिधि और डिप्टी पैवेलियन निदेशक श्री यामामोटो-सान ने दी। संयुक्त राज्य अमेरिका, इटली, फ्रांस और जापान जैसे वैश्विक दिग्गजों के साथ स्थान दिए गए भारत मंडप की लोकप्रियता एक्सपो अधिकारियों, जापानी नागरिकों और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर ऑनलाइन जुड़ाव से मिली प्रतिक्रिया पर आधारित है।

संस्कृति मंत्रालय को पहली बार मंडप में सहयोग की जिम्मेदारी दी गई है - पहले इसका प्रबंधन वाणिज्य मंत्रालय करता था। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए) को इस महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी और क्रियान्वयन में सहयोग के लिए नोडल एजेंसी नियुक्त किया गया है। यह प्रदर्शनी 13 अक्टूबर 2025 तक जनता के लिए खुली रहेगी।

आईजीएनसीए के सदस्य सचिव डॉ. सच्चिदानंद जोशी ने कहा कि यह मंडप भारत की प्राचीन ज्ञान व्यवस्था, आधुनिक तकनीकी आकांक्षाओं और बढ़ते वैश्विक प्रभाव को दर्शाता है। 'कनेक्टिंग लाइव्स जोन' में रणनीतिक रूप से स्थित यह मंडप भारत के सभ्यतागत मूल्यों को दर्शाता है, साथ ही सतत विकास, नवाचार और डिजिटल विकास में इसकी समकालीन महत्वाकांक्षाओं को भी दर्शाता है।

सांस्कृतिक कूटनीति अपने शिखर पर-

भारत मंडप एक वास्तुशिल्प चमत्कार से कहीं अधिक है; यह भारत की सांस्कृतिक कूटनीति का जीवंत अवतार है। यह समृद्ध प्रदर्शनियों, परस्पर सांस्कृतिक संवाद सत्रों और कलात्मक प्रतिष्ठानों के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय आगंतुकों को एक अनूठा अनुभव प्रदान करता है।

बाद में स्थान आवंटन प्राप्त करने के बावजूद, आईजीएनसीए ने असाधारण गति और कुशलता के साथ इस दृष्टिकोण को क्रियान्वित किया। जापानी अधिकारियों के साथ मिलकर काम करते हुए, उन्होंने एक ऐसा मंडप बनाया जो विरासत और नवाचार को सहजता से एक करता है। इस प्रयास को वैश्विक गणमान्य व्यक्तियों, आगंतुकों और सांस्कृतिक पारखी लोगों से समान रूप से प्रशंसा प्राप्त हुई है।

एक अद्वितीय मंडप-

अन्य अंतरराष्ट्रीय मंडपों के विपरीत, जहां लंबी कतारें और सीमित पहुंच होती है, भारतीय मंडप एक सहज, स्वागतयोग्य और समावेशी अनुभव प्रदान करता है। इसकी मुख्य विशेषताएं हैं:

- नवाचार, आयुर्वेद, इसरो और स्थिरता पर भाग
- गरबा नृत्य, भारतीय आचार्यों द्वारा योग सत्र और पारंपरिक वेशभूषा प्रदर्शन सहित सजीव सांस्कृतिक अनुभव
- वैश्विक स्तर पर पसंद आने वाले प्रामाणिक भारतीय व्यंजन
- हिमाचली टोपी और भारतीय हस्तशिल्प की प्रदर्शनी वाले परिवार-अनुकूल गतिविधियां और फोटो-ऑप कॉर्नर

इन प्रस्तुतियों ने मंडप को जन-सामान्य का पसंदीदा बना दिया है, तथा इसमें उत्साहपूर्ण भागीदारी हुई है और व्यापक ऑनलाइन सराहना भी प्राप्त हुई है।

प्रतीकवाद और आध्यात्मिकता: डिजाइन दर्शन-

मंडप के आध्यात्मिक केंद्र में पद्मपाणि बोधिसत्व की एक शानदार छवि है जो अजंता गुफा के भित्तिचित्रों से प्रेरित है। यह भारत की कालातीत करुणा का प्रतीक है। नीला कमल अग्रभाग, बोधि वृक्ष और बहता जल जैसे कलात्मक तत्व भारत के दार्शनिक सार - परस्पर जुड़ाव, शांति और परिवर्तन को व्यक्त करते हैं।

मंडप की वास्तुकला में लोटस कोर्टयार्ड और वननेस लाउंज दर्शाया गया हैं। यह वसुधैव कुटुम्बकम - "विश्व एक परिवार है" के प्राचीन भारतीय आदर्श को प्रतिबिंबित करता है।

आईजीएनसीए का सांस्कृतिक दृष्टिकोण-

डॉ. जोशी ने अपने समापन में कहा, "इस वैश्विक मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करना केवल संस्कृति का प्रदर्शन करना नहीं है - यह विश्व को भारत की जीवंत विरासत में आमंत्रित करना है। भारत मंडप एक ऐसा स्थान है जहां परंपरा परिवर्तन से मिलती है, जहां शाश्वत भारतीय भावना वैश्विक भविष्य से जुड़ती है।"

वर्ल्ड एक्सपो 2025 ओसाका के बारे में-

आधिकारिक तौर पर एक्सपो 2025 ओसाका, कंसाई, जापान, वैश्विक प्रदर्शनी 13 अक्टूबर 2025 तक चलेगी। केंद्रीय विषय 'हमारे जीवन के लिए भविष्य के समाज का डिजाइन' के साथ, एक्सपो में 160 से अधिक देशों और 9 अंतरराष्ट्रीय संगठनों ने भाग लिया। इसमें अनुमानत: 28 मिलियन आगंतुकों की उम्मीद है। भारत की भागीदारी सांस्कृतिक उत्कृष्टता और अंतरराष्ट्रीय जुड़ाव का एक प्रमुख उदाहरण बन गई है।

***

जनता से रिश्ता
www.jantaserishta.com

ओसाका विश्व एक्सपो में भारत मंडप शीर्ष पांच आकर्षणों में शामिल

Delhi दिल्ली : भारत की सांस्कृतिक और तकनीकी क्षमता वैश्विक मंच पर धूम मचा रही है, क्योंकि जापान के ओसाका में चल रहे वर्ल्ड एक्सपो-2025 में भारत मंडप को शीर्ष पांच मंडपों में स्थान दिया गया है। संस्कृति मंत्रालय के तहत इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (IGNCA) द्वारा क्यूरेट किए गए इस मंडप ने संयुक्त राज्य अमेरिका, इटली, जापान और फ्रांस के साथ-साथ व्यापक प्रशंसा अर्जित की है।

एक्सपो अधिकारियों, आगंतुकों और जापानी सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं से मिले फीडबैक के आधार पर रैंकिंग को जापान ट्रैवल ब्यूरो (JTB) के प्रतिनिधि और उप मंडप निदेशक यामामोटो-सान द्वारा हाइलाइट किया गया। पिछले संस्करणों के विपरीत, जहां वाणिज्य मंत्रालय ने भारत मंडप का नेतृत्व किया था, इस वर्ष एक बदलाव हुआ है, जिसमें संस्कृति मंत्रालय ने कार्यभार संभाला है और क्यूरेशन का नेतृत्व IGNCA को सौंपा है। इसका परिणाम भारत की प्राचीन सभ्यतागत विरासत और आधुनिक आकांक्षाओं का एक अनूठा मिश्रण है, जिसे एक्सपो के 'कनेक्टिंग लाइव्स ज़ोन' में स्थित एक विस्तृत और इंटरैक्टिव मंडप स्थान में प्रदर्शित किया गया है।

आईजीएनसीए के सदस्य सचिव सच्चिदानंद जोशी ने कहा कि मंडप अपने आप में एक सांस्कृतिक स्थल बन गया है। उन्होंने कहा, "यह केवल एक संरचना नहीं है, बल्कि एक जीवंत अनुभव है, जहाँ परंपरा नवाचार में प्रवाहित होती है।" भारत मंडप भारत की दार्शनिक जड़ों से लेकर तकनीकी उत्थान तक की यात्रा को दर्शाता है, जिसमें आयुर्वेद, इसरो, सतत विकास और नवाचार को समर्पित खंड हैं।

अग्निबाण

जापान में 13 अक्तूबर तक चलने वाले ओसाका वर्ल्ड एक्सपो में भारत का 5वां स्थान

नई दिल्ली। जापान (Japan) के ओसाका (Osaka) में आयोजित वर्ल्ड एक्सपो (World Expo) 2025 में भारत मंडप को दुनियाभर के शीर्ष पांच मंडपों में शामिल किया गया है। यह मंडप इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र की तरफ से संस्कृति मंत्रालय के निर्देशन में तैयार किया गया है।

बता दें कि ओसाका एक्सपो 13 अक्तूबर 2025 तक चलेगा, जिसमें 160 से अधिक देश भाग ले रहे हैं। भारत मंडप (Bharat Mandap) ने अपनी सांस्कृतिक विविधता, तकनीकी उन्नति और आधुनिकता के संगम से अंतरराष्ट्रीय दर्शकों का ध्यान खींचा है।

मंडप में नवाचार, इसरो, आयुर्वेद, विरासत और सतत विकास जैसे विषयों को दर्शाया गया है। पैवेलियन में गरबा वर्कशॉप, योग सत्र, पारंपरिक परिधानों का प्रदर्शन और प्रामाणिक भारतीय व्यंजन आगंतुकों को आकर्षित कर रहे हैं।

भारत मंडप की केंद्रीय थिम अजंता की गुफाओं से प्रेरित पद्मपाणि बोधिसत्व की छवि है, जो भारत की करुणा और ज्ञान परंपरा का प्रतीक है। आईजीएनसीए के सदस्य सचिव डॉ. सच्चिदानंद जोशी ने इसे भारत की सांस्कृतिक कूटनीति का सशक्त माध्यम बताया है।

India Pavilion Shines At World Expo 2025 Osaka, Ranked Among Top Five

The India Pavilion, christened Bharat Mandap, has emerged as one of the top five most admired pavilions at the ongoing World Expo 2025 in Osaka, Japan, according to Yamamoto-san, Deputy Pavilion Director and representative of the Japan Travel Bureau (JTB). Competing alongside pavilions from the United States, Italy, France, and Japan, Bharat Mandap has captivated visitors with its seamless blend of India's ancient cultural heritage and modern aspirations, earning praise from Expo officials, Japanese locals, and global social media audiences.

For the first time, the Ministry of Culture has taken the helm in curating the India Pavilion, a responsibility previously held by the Ministry of Commerce. The Indira Gandhi National Centre for the Arts (IGNCA) was appointed as the nodal agency to design and execute this international showcase, which will remain open to the public until October 13. Dr. Sachchidanand Joshi, Member Secretary of IGNCA, described the Pavilion as a "comprehensive reflection of India's ancient knowledge systems, modern technological aspirations, and growing global footprint."

Located in the Expo's 'Connecting Lives Zone,' Bharat Mandap is more than an architectural marvel—it is a vibrant symbol of India's cultural diplomacy. Despite receiving its space allocation later than others, IGNCA collaborated efficiently with Japanese authorities to create a Pavilion that marries heritage with innovation. The result is an immersive experience featuring interactive cultural sessions, artistic installations, and exhibits that have drawn accolades from global dignitaries and visitors alike.

Unlike other pavilions with long queues and restricted access, *Bharat Mandap* offers a welcoming and inclusive environment. Highlights include sections showcasing India's advancements in innovation, Ayurveda, ISRO, and sustainability, alongside live cultural performances like Garba dances and yoga sessions led by Indian Acharyas. Visitors can also savor authentic Indian cuisine, try on traditional Himachali caps, and explore family-friendly photo-op corners adorned with Indian handicrafts. These offerings have made the Pavilion a crowd favorite, sparking widespread engagement online.

The Pavilion's design is steeped in symbolism, with a striking image of Padmapani Bodhisattva, inspired by the Ajanta cave murals, at its spiritual core, embodying India's ethos of compassion. Architectural elements like the Blue Lotus Façade, Bodhi Tree Installation, and Flowing Waters reflect philosophical themes of interconnectedness, peace, and transformation. The Lotus Courtyard and Oneness Lounge echo the ancient Indian principle of Vasudhaiva Kutumbakam—the world is one family.

Dr. Joshi emphasized the Pavilion's broader mission: "To represent India on this global stage is not just about showcasing culture—it is about inviting the world into India's living heritage. The Bharat Mandap is a space where tradition meets transformation, where the eternal Indian spirit engages with the global future."

Running until October 13, under the theme 'Designing Future Society for Our Lives,' Expo 2025 Osaka, Kansai, has attracted over 160 countries and 9 international organizations, with an estimated 28 million visitors expected.

जागरण

जी-20 के बाद अब जापान में भारत की सभ्यता से परिचित करा रही 'डांसिंग गर्ल', जानिए क्या है खास?

जापान के ओसाका में वर्ल्ड एक्सपो में आइजीएनसीए द्वारा निर्मित भारत मंडप आकर्षण का केंद्र है। सिंधु घाटी सभ्यता की डांसिंग गर्ल और बोधिसत्व पद्मपाणि की विशाल पत्तियां भारत की प्राचीन संस्कृति का प्रतिनिधित्व कर रही हैं। मंडप में हस्तशिल्प हस्तकरघा और भारतीय व्यंजनों का प्रदर्शन किया जा रहा है जो दर्शकों को खूब लुभा रहा है।

HIGHLIGHTS

1. ओसाका एक्सपो में भारत मंडप आकर्षण का केंद्र |
2. डांसिंग गर्ल ने भारतीय संस्कृति का किया प्रदर्शन |
3. 13 अक्टूबर तक चलेगा एक्सपो, भारत मंडप टॉप 5 में |

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली। जी-20 की शीर्ष बैठक में आए विदेशी मेहमानों के आकर्षण के केंद्र में रही "डांसिंग गर्ल" अब जापान के ओसाका में आयोजित एक्सपो में विदेशी मेहमानों को भारत की हजारों वर्ष पुरानी सभ्यता-संस्कृति से परिचित करा रही है।

यह "डांसिंग गर्ल" सिंधु घाटी सभ्यता आधारित है, जो सिंधु घाटी की खुदाई में मिली थी, जिसकी उम्र पांच हजार वर्ष से भी अधिक पुरानी है। इसकी प्रतिकृति का निर्माण प्रसिद्ध मूर्तिकार राम सुतार ने की है। यह पांच फीट ऊंची तथा 120 किलो की है। इसे विशेष रूप से एक्सपो के लिए जापान ले जाया गया है।

खास बात कि ओसाका में आयोजित एक्सपो में भारत मंडप का निर्माण इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आइजीएनसीए) द्वारा किया गया है। विदेश में यह उसका पहला काम है। जिसे रिकॉर्ड समय में तैयार किया है।

इस संबंध में आइजीएनसीए के सदस्य सचिव डॉ. सच्चिदानंद जोशी ने बताया कि भारत मंडप का काम आइजीएनसीए को अंत समय पर मिला। पहले यह काम वाणिज्य मंत्रालय का था, लेकिन भारत की सभ्यता, संस्कृति और विविधता को जब दर्शाने की बात आई तो उसने इसे संस्कृति मंत्रालय के जिम्मे किया।

उन्होंने बताया कि डांसिंग गर्ल के साथ ही अजंता की गुफाओं से प्रेरित करुणा के अवतार पद्मपाणि बोधिसत्व की छवि को भी भारत मंडप में उभारा गया है। देश में स्थित सभी वैश्विक धरोहरों को प्रस्तुत किया गया है। हस्तशिल्प, हस्तकरघा के साथ ही विविध संस्कृति को विभिन्न माध्यमों से दर्शाया गया है। सभी राज्यों की मिट्टी लेकर शिल्प तैयार कर एकता में विविधता की प्रस्तुति हुई है।

कब तक चलेगा एक्सपो?

डॉ. सच्चिदानंद जोशी ने बताया कि अंजता की गुफाओं में स्थित बोधिसत्व पद्मपाणि के कमल की पत्तियों के आधारित प्रतिकृति बेंगुलुरु में तैयार कराई गई। ये 24 भारी भरकम पत्तियों का वजन 50 टन से अधिक है। इसे लोहे और विशेष कपड़ो से तैयार किया गया है।

ऐसे ही अनगिनत कला को यहां तैयार कर जापान ले जाने में काफी प्रयास करने पड़े। यह एक्सपो 13 अक्टूबर तक चलेगा। जिसमें 'भारत मंडप' सबसे लोकप्रिय आकर्षण स्थलों में एक है। उसने शीर्ष पांच मंडपों में जगह बनाई है।

इस एक्सपो में 160 से अधिक देश और नौ अंतरराष्ट्रीय संगठनों ने भाग लिया है। जबकि, भारत के विभिन्न मंत्रालय तथा राज्य भी देश के पवेलियन में अपनी विशेषताएं प्रदर्शित कर रहे हैं, गरबा डांस वर्कशाप, पारंपरिक परिधान प्रदर्शन और लाइव योग सत्र जैसे आकर्षण लुभा रहे हैं। उसमें भी भारतीय जायकों का स्वाद तो लोगों के सिर चढ़कर बोल रहा है।

THE HAWK

India Pavilion rated among top 5 at 'World Expo 2025' in Japan

New Delhi, June 7 (IANS) The India Pavilion titled 'Bharat Mandap' has secured a place among the top five most admired pavilions at the ongoing 'World Expo 2025' in Osaka, Japan, it was announced on Saturday.

According to a review by Yamamoto-san, Deputy Pavilion Director and representative of the Japan Travel Bureau (JTB), the India Pavilion was ranked alongside global heavyweights such as the United States, Italy, France, and Japan.

The India Pavilion's popularity is based on feedback from Expo officials, Japanese citizens, and online engagement on social media platforms.

For the first time, the Ministry of Culture has been entrusted with the responsibility of curating the Pavilion — previously managed by the Ministry of Commerce.

The Indira Gandhi National Centre for the Arts (IGNCA) was appointed as the nodal agency to curate and execute this significant international showcase, which will remain open to the public until October 13.

Dr Sachchidanand Joshi, Member Secretary of IGNCA, stated that the Pavilion is a comprehensive reflection of India's ancient knowledge systems, modern technological aspirations, and growing global footprint.

Strategically located in the 'Connecting Lives Zone', the Pavilion encapsulates India's civilisational values while projecting its contemporary ambitions in sustainable development, innovation, and digital growth.

The Bharat Mandap stands as more than an architectural marvel; it is a living, breathing embodiment of India's cultural diplomacy. It offers a uniquely immersive experience to international visitors through rich exhibits, interactive cultural sessions, and artistic installations.

Despite receiving space allocation at a later stage, the IGNCA executed the vision with exceptional speed and finesse. Working closely with Japanese authorities, they created a Pavilion that seamlessly integrates heritage and innovation. This effort has garnered praise from global dignitaries, visitors, and cultural connoisseurs alike.

Unlike other international pavilions characterised by long queues and restricted access, the India Pavilion offers a smooth, welcoming, and inclusive experience.

At the spiritual heart of the Pavilion stands a magnificent image of Padmapani Bodhisattva, inspired by Ajanta cave murals — a symbol of India's timeless compassion. Artistic elements like the Blue Lotus Façade, Bodhi Tree Installation, and Flowing Waters express India's philosophical essence — interconnectedness, peace, and transformation.

Hindustan

08/06/2025

नई दिल्ली। जापान के ओसाका में चल रहे वर्ल्ड एक्सपो 2025 में भारत मंडप शीर्ष पांच में शामिल होकर विश्व स्तर पर सराहना बटोर रहा है। भारत मंडप के बारे में दिल्ली स्थित इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए) में विस्तार से जानकारी साझा की गई। आईजीएनसीए के सदस्य सचिव डॉक्टर सच्चिदानंद जोशी ने बताया कि अप्रैल से शुरू यह एक्सपो अक्तूबर तक चलेगा। भारत मंडप अपनी सांस्कृतिक धमक से न सिर्फ जापान, बल्कि एक्सपो में पहुंचे कई देशों के लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र बना है।

The Tribune
VOICE OF THE PEOPLE

Bharat Mandap among top five attractions at Osaka World Expo

India's cultural and technological prowess is making waves on the global stage as the Bharat Mandap at the ongoing World Expo-2025 in Osaka, Japan, has been ranked among the top five pavilions. The pavilion, curated by the Indira Gandhi National Centre for the Arts (IGNCA) under the Ministry of Culture, has earned widespread acclaim alongside those of the United States, Italy, Japan and France.

The ranking, based on feedback from expo officials, visitors and Japanese social media users, was highlighted by Yamamoto-san, deputy pavilion director and representative of the Japan Travel Bureau (JTB).

Unlike previous editions where the Ministry of Commerce led the India pavilion, this year marks a shift, with the Ministry of Culture taking charge and assigning the IGNCA to lead curation. The result is a unique blend of India's ancient civilisational heritage and modern aspirations, showcased across an expansive and interactive pavilion space located in the Expo's 'Connecting Lives Zone'.

ADVERTISEMENT

Sachchidanand Joshi, member secretary, IGNCA, said the Pavilion had become a cultural destination in its own right. "It is not just a structure but a living experience where tradition flows into innovation," he said.

The Bharat Mandap encapsulates India's journey from its philosophical roots to its technological rise, with sections dedicated to Ayurveda, ISRO, sustainable development and innovation.

Amar Ujala

उपलब्धि

13 अक्तूबर तक चलेगा एक्सपो, 160 से अधिक देश भाग ले रहे हैं

जापान के ओसाका में चल रहे वर्ल्ड एक्सपो में भारत का पांचवां स्थान

अमर उजाला ब्यूरो

नई दिल्ली। जापान के ओसाका में आयोजित वर्ल्ड एक्सपो 2025 में भारत मंडप को दुनियाभर के शीर्ष पांच मंडपों में शामिल किया गया है। यह मंडप इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए) की तरफ से संस्कृति मंत्रालय के निर्देशन में तैयार किया गया है।

बता दें कि ओसाका एक्सपो 13 अक्तूबर 2025 तक चलेगा, जिसमें 160 से अधिक देश भाग ले रहे हैं। भारत मंडप ने अपनी सांस्कृतिक विविधता, तकनीकी उन्नति और आधुनिकता के संगम से अंतरराष्ट्रीय दर्शकों का ध्यान खींचा है। मंडप में नवाचार, इसरो, आयुर्वेद, विरासत और सतत विकास जैसे विषयों को दर्शाया गया है। पैवेलियन में गरबा वर्कशॉप, योग सत्र, पारंपरिक परिधानों का प्रदर्शन और प्रामाणिक भारतीय व्यंजन आगंतुकों को आकर्षित कर रहे हैं।

'वसुधैव कुटुंबकम' को उजागर करता है मंडप

भारत मंडप की केंद्रीय थिम अजंता की गुफाओं से प्रेरित पद्मपाणि बोधिसत्व की छवि है, जो भारत की करुणा और ज्ञान परंपरा का प्रतीक है। आईजीएनसीए के सदस्य सचिव डॉ. सच्चिदानंद जोशी ने इसे भारत की सांस्कृतिक कूटनीति का सशक्त माध्यम बताया है।

वर्ल्ड एक्सपो ओसाका में भारत का मंडप। स्रोत : आयोजक

SOCIAL NEWS XYZ
The Millennial Media

India Pavilion rated among top 5 at 'World Expo 2025' in Japan

POSTED BY: GOPI JUNE 7, 2025

New Delhi, June 7 (SocialNews.XYZ) The India Pavilion titled 'Bharat Mandap' has secured a place among the top five most admired pavilions at the ongoing 'World Expo 2025' in Osaka, Japan, it was announced on Saturday.

According to a review by Yamamoto-san, Deputy Pavilion Director and representative of the Japan Travel Bureau (JTB), the India Pavilion was ranked alongside global heavyweights such as the United States, Italy, France, and Japan.

The India Pavilion's popularity is based on feedback from Expo officials, Japanese citizens, and online engagement on social media platforms.

For the first time, the Ministry of Culture has been entrusted with the responsibility of curating the Pavilion — previously managed by the Ministry of Commerce.

The Indira Gandhi National Centre for the Arts (IGNCA) was appointed as the nodal agency to curate and execute this significant international showcase, which will remain open to the public until October 13.

Dr Sachchidanand Joshi, Member Secretary of IGNCA, stated that the Pavilion is a comprehensive reflection of India's ancient knowledge systems, modern technological aspirations, and growing global footprint.

Strategically located in the 'Connecting Lives Zone', the Pavilion encapsulates India's civilisational values while projecting its contemporary ambitions in sustainable development, innovation, and digital growth.

The Bharat Mandap stands as more than an architectural marvel; it is a living, breathing embodiment of India's cultural diplomacy. It offers a uniquely immersive experience to international visitors through rich exhibits, interactive cultural sessions, and artistic installations.

Despite receiving space allocation at a later stage, the IGNCA executed the vision with exceptional speed and finesse. Working closely with Japanese authorities, they created a Pavilion that seamlessly integrates heritage and innovation. This effort has garnered praise from global dignitaries, visitors, and cultural connoisseurs alike.

Unlike other international pavilions characterised by long queues and restricted access, the India Pavilion offers a smooth, welcoming, and inclusive experience.

At the spiritual heart of the Pavilion stands a magnificent image of Padmapani Bodhisattva, inspired by Ajanta cave murals — a symbol of India's timeless compassion. Artistic elements like the Blue Lotus Façade, Bodhi Tree Installation, and Flowing Waters express India's philosophical essence — interconnectedness, peace, and transformation.

युगवार्ता
पाक्षिक

ओसाका के वर्ल्ड एक्सपो के शीर्ष मंडपों में शामिल भारत मंडप, आईजीएनसीए ने किया तैयार

नई दिल्ली, 7 जून (हि.स.)। जापान के ओसाका में चल रहे वर्ल्ड एक्सपो में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए) द्वारा क्यूरेट किया गया 'भारत मंडप' सबसे लोकप्रिय आकर्षणों में उभर कर सामने आया है। इसने शीर्ष पांच मंडपों में जगह बनाई है। जापान ट्रैवल ब्यूरो (टीबी) के प्रतिनिधि और डिप्टी पेवेलियन डायरेक्टर यामामोटो-सान द्वारा की गई समीक्षा के अनुसार, भारत के मंडप को एक्सपो में अमेरिका, इटली, जापान और फ्रांस के साथ शीर्ष पांच मंडपों में स्थान दिया गया है। वर्ल्ड एक्सपो में मौजूद मंडपों की यह श्रेणी एक्सपो अधिकारियों, आम जनता और जापानी सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं से इनपुट के आधार पर बनाई गयी है।

ओसाका वर्ल्ड एक्सपो में भारत की भागीदारी की प्रगति के बारे में आईजीएनसीए के सदस्य सचिव डॉ. सच्चिदानंद जोशी ने शनिवार को यहां आयोजित पत्रकार वार्ता में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विश्व एक्सपो, 2025 में भारत पैवेलियन देश की प्राचीन ज्ञान परम्परा, आधुनिक आकांक्षाओं और वैश्विक भागीदारी का प्रमाण है। रणनीतिक रूप से 'कनेक्टिंग लाइव्स जोन' में स्थित यह पैवेलियन भारत की सभ्यतागत गहराई के साथ-साथ इसकी तकनीकी उन्नति और चिरस्थायी विकास के प्रति प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है।

सही मायनों में भारत मंडप न केवल एक सांस्कृतिक प्रदर्शनी स्थल बन गया है, बल्कि यह भारत की सांस्कृतिक कूटनीति यानी सॉफ्ट पावर का एक सशक्त माध्यम भी है, जो दुनिया के लोगों को भारत की विविधता, समृद्धि और नवाचार से परिचित कराता है।

उन्होंने कहा कि वाणिज्य मंत्रालय द्वारा संस्कृति मंत्रालय के मार्गदर्शन में की जा रही इस पहल को 'इंडिया ट्रेड प्रोमोशन ऑर्गनाइजेशन' (आईटीपीओ) और आईजीएनसीए के संस्थागत सहयोग से साकार किया जा रहा है। मंडप की रचनात्मक दृष्टि और गूढ़ सांस्कृतिक डिजाइन को आईजीएनसीए ने बहुत ही कम समय में क्रियान्वित किया है, जो न केवल संस्थागत दक्षता, बल्कि गहन सांस्कृतिक संवेदनशीलता को भी दर्शाता है।

देर से जगह के आवंटन के बावजूद आईजीएनसीए की टीम ने जापानी अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित करते हुए भारत मंडप में देश के सभ्यतागत मूल्यों की सूक्ष्मता को दर्शाते हुए एक गतिशील और व्यापक सांस्कृतिक अनुभव प्रदान किया, जिसे अब वैश्विक मंचों पर व्यापक रूप से सराहा जा रहा है।

उन्होंने कहा कि भारत मंडप में नवाचार (इनोवेशन), विरासत, आयुर्वेद, इसरो और सतत विकास को समर्पित विभिन्न सेक्शन शामिल हैं, जो भारत की भूमिगत संपदाओं से लेकर अंतरिक्ष तक की यात्रा का बखूबी चित्रण करते हैं। यह मंडप अतीत का सम्मान करते हुए भविष्य की संभावनाओं को भी दर्शाता है।

सीमित प्रवेश और लंबी कतारों वाले मंडपों के विपरीत भारत पैवेलियन में बहुत कम इंतजार के बाद एक निर्बाध अनुभव प्राप्त होता है, जिससे मेहमान अपनी सुविधा के साथ पेवेलियन का अवलोकन कर सकते हैं। इसके शानदार प्रदर्शन, प्रामाणिक भारतीय व्यंजन और इंटरैक्टिव सांस्कृतिक तत्व, जैसे- गरबा डांस वर्कशॉप, पारम्परिक परिधान प्रदर्शन और एक भारतीय आचार्य द्वारा लाइव योग सत्र उत्साही भीड़ को आकर्षित कर रहे हैं। बच्चे और परिवार विशेष रूप से इस जीवंत प्रदर्शनी का आनंद ले रहे हैं।

डॉ. जोशी ने कहा कि भारत पैवेलियन एक लोकप्रिय सांस्कृतिक गंतव्य बन गया है, जिसमें परम्परा की गर्मजोशी, रचनात्मकता और सुलभता तीनों का सुंदर मेल है और इन्हीं वजहों से इसकी सराहना हो रही है।

थीम और सांस्कृतिक दर्शन

अजंता की गुफाओं से प्रेरित करुणा के अवतार पद्मपाणि बोधिसत्व की छवि को भारत मंडप के केंद्र में रखा गया है। यह आधुनिक स्टोरीटेलिंग के साथ आध्यात्मिक सौंदर्य का संगम प्रतीत होता है। आईजीएनसीए ने 'नील कमल अग्रभाग', 'बोधिवृक्ष स्थापना' और 'बहती जलधारा' जैसे प्रतीकों के माध्यम से भारत की सनातन विचारधारा को आधुनिक वैश्विक संदर्भों में प्रस्तुत किया है, जो आगंतुकों को भारत के करुणा, परस्पर संबद्धता, गतिशीलता और बदलाव के शाश्वत संदेश का दर्शन कराते हैं।

शांति से परिपूर्ण कमल प्रांगण से लेकर गतिशील एकात्मकता लाउंज तक, मंडप उपनिषदों के ज्ञान 'वसुधैव कुटुम्बकम' अर्थात् विश्व एक परिवार है की भावना को दर्शाता है। यह अंतरराष्ट्रीय आगंतुकों को भारत की जीवंत विरासत के साथ एक सार्थक मुलाकात कराता है, जो समावेशिता, संवाद और आध्यात्मिक सद्भाव को रेखांकित करता है।

डॉ. जोशी ने कहा कि भारत का प्रतिनिधित्व करने का अर्थ है विचार, करुणा और उपलब्धियों की विरासत को आगे बढ़ाना। यह मंडप महज एक संरचना नहीं है, बल्कि यह एक जीवंत अनुभव है, जहां परम्परा नवाचार के साथ प्रवाहित होती है और विश्व को भारत की शाश्वत आत्मा की प्रतिध्वनि सुनाई देती है।

गौरतलब है कि ओसाका वर्ल्ड एक्सपो जिसे आधिकारिक रूप से 'एक्सपो 2025 ओसाका, कंसाई, जापान' नाम दिया गया है, एक वैश्विक प्रदर्शनी है। यह 13 अप्रैल से 13 अक्टूबर 2025 तक जापान के ओसाका शहर में आयोजित हो रही है। इसका मुख्य विषय है- 'डिजाइनिंग फ्यूचर सोसाइटी फॉर अवर लाइव्स' (हमारे जीवन के लिए भावी समाज की अभिकल्पना)। इस आयोजन में 160 से अधिक देश और 9 अंतरराष्ट्रीय संगठन भाग ले रहे हैं। इसमें करीब 2 करोड़ 80 लाख लोगों के आने की उम्मीद है।

Amar Ujala

उपलब्धि: जापान में 13 अक्तूबर तक चलने वाले ओसाका वर्ल्ड एक्सपो में भारत का 5वां स्थान, 160+ देश हैं प्रतिभागी

अमर उजाला ब्यूरो, नई दिल्ली। Published by: ज्योति भास्कर Updated Sun, 08 Jun 2025 06:46 AM IST

सार

भारत ने बड़ी उपलब्धि अपने नाम की है। जापान के ओसाका में चल रहे वर्ल्ड एक्सपो में देश को पांचवां स्थान मिला है। 13 अक्तूबर तक चलने वाले इस एक्सपो में 160 से अधिक देश भाग ले रहे हैं।

विस्तार

जापान के ओसाका में आयोजित वर्ल्ड एक्सपो 2025 में भारत मंडप को दुनियाभर के शीर्ष पांच मंडपों में शामिल किया गया है। यह मंडप इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए) की तरफ से संस्कृति मंत्रालय के निर्देशन में तैयार किया गया है।

भारत ने 'संगम' से अंतरराष्ट्रीय दर्शकों का ध्यान खींचा

बता दें कि ओसाका एक्सपो 13 अक्तूबर 2025 तक चलेगा, जिसमें 160 से अधिक देश भाग ले रहे हैं। भारत मंडप ने अपनी सांस्कृतिक विविधता, तकनीकी उन्नति और आधुनिकता के संगम से अंतरराष्ट्रीय दर्शकों का ध्यान खींचा है।

ये भी पढ़ें- VinFast: विनफास्ट ने भारत में VF7 और VF6 के साथ लॉन्च की योजना की पुष्टि की, इस महीने से बुकिंग होगी शुरू

आयुर्वेद, विरासत और सतत विकास जैसे विषय

मंडप में नवाचार, इसरो, आयुर्वेद, विरासत और सतत विकास जैसे विषयों को दर्शाया गया है। पैवेलियन में गरबा वर्कशॉप, योग सत्र, पारंपरिक परिधानों का प्रदर्शन और प्रामाणिक भारतीय व्यंजन आगंतुकों को आकर्षित कर रहे हैं।

ये भी पढ़ें- Food Expo 2025: आगरा में होने जा रहा प्रदेश का पहला फूड एक्सपो, डिप्टी सीएम भी आएंगे; जान लें तारीख

'वसुधैव कुटुंबकम' को उजागर करता है मंडप

भारत मंडप की केंद्रीय थिम अजंता की गुफाओं से प्रेरित पद्मपाणि बोधिसत्व की छवि है, जो भारत की करुणा और ज्ञान परंपरा का प्रतीक है। आईजीएनसीए के सदस्य सचिव डॉ. सच्चिदानंद जोशी ने इसे भारत की सांस्कृतिक कूटनीति का सशक्त माध्यम बताया है।

ThePrint

India Pavilion at Japan expo showcasing heritage, sustainability draws crowd

New Delhi, Jun 7 (PTI) The India Pavilion at the ongoing World Expo in Osaka is a celebration of the country's rich heritage, and its design with sustainability at core draws inspiration from the image of Bodhisattva Padmapani in the ancient Ajanta Caves.

A top official of the Indira Gandhi National Centre for the Arts (IGNCA) here on Saturday said, the pavilion with its iconic facade with blue lotus motif, is currently among the "top five most-visited pavilions" at the mega fair in Japan.

Later, the IGNCA, in a statement, said that the other four countries in the top five list, whose pavilions are drawing huge crowd are — the US, Italy, Japan and France.

The India Pavilion stands as a testament to the nation's ancient wisdom, modern ambitions and global partnerships, officials said.

Strategically placed in the 'Connecting Lives' zone at the World Expo 2025 in Osaka, the pavilion captures India's civilisational depth while highlighting its technological advancement and commitment to sustainable development.

"It embodies the nation's values of inclusivity, sustainability and progress, serving as a bridge between its spiritual heritage and its ambitious future," according to a booklet on the pavilion shared by the IGNCA.

The IGNCA is an autonomous institution under the Ministry of Culture.

Sachchidanand Joshi, Member Secretary, IGNCA during an interaction with reporters said the the blue lotus with 24 petals, also carries the message of Lord Buddha while adhering to the idea of sustainability as they are made of a type of fibre that is biodegradable.

The imagery is drawn from a mural at the ancient Ajanta Caves in Maharashtra depicting the Bodhisattva Padmapani, holding a lotus in his right hand.

"The design of the pavilion is a tribute to Bodhisattva Padmapani (the Bodhisattva of Compassion) from the iconic Ajanta Caves, symbolising compassion, enlightenment and knowledge," the booklet says.

Through a seamless blend of architecture, storytelling and immersive experiences, the pavilion creates a dynamic space for cultural exchange, reinforcing its role in fostering global connections, it adds The Pavilion comprises diverse sections dedicated to innovation, heritage, Ayurveda, ISRO, and sustainable development, offering a compelling narrative of India's journey from its subterranean treasures to outer space. While paying homage to the past, the Pavilion also envisions the possibilities of the future, IGNCA officials said The cost incurred on the construction of the pavilion was around Rs 225 crore, exclusive of ancillary operational costs, they said.

Joshi said a huge 'Bodhi Tree' installation is inside the pavilion, besides sections on Indian textile heritage, terracotta artworks and a brass gallery.

"The pavilion spans 1,751 sq m, the indoor display is in an 'x-box' category structure allotted by the expo authorities to which not even a nail can be added. So, we wrapped a simple looking box with a blue lotus artwork, thereby both enhancing its appeal and projecting India's cultural heritage," he said.

Besides, plaques made of soils brought from different states and UTs and mixed in India, depicting cultural elements of different states have also been showcased, to depict the spirit of 'Ek Bharat Shreshth Bharat', the member secretary said.

Other zones inside the pavilion include bilateral spaces for diplomatic engagements, the Bharat Bazaar, Indian food zone showcasing the country's street food besides a corporate hub.

Sources said the huge petals of the blue lotus were manufactured in Bengaluru, and along with other artefacts and civil material were transported by air from Chennai to Japan via Hong Kong.

India Pavilion Among Top 5 At World Expo 2025 In Osaka

The India Pavilion has been ranked among the top five pavilions at the World Expo 2025 in Osaka, Japan, alongside the US, Italy, Japan, and France. The pavilion showcases India's rich cultural heritage, innovation, and sustainable development, featuring sections on heritage, Ayurveda, ISRO, and more. It has been curated by the Indira Gandhi National Centre for the Arts. With its unique blend of traditional and modern elements, the pavilion has become a popular destination, attracting visitors with its interactive cultural experiences, authentic Indian cuisine, and photo-friendly installations. The World Expo will continue till the 13th of October.

INDIA TRIBUNE
IMUNITY SINCE 1977

India Pavilion rated among top 5 at 'World Expo 2025' in Japan

BY **INDIATRIBUNE** JUNE 07, 2025 *2 MINUTES*

India Pavilion rated among top 5 at 'World Expo 2025' in Japan (Photo: PIB)

New Delhi, June 7 (IANS) The India Pavilion titled 'Bharat Mandap' has secured a place among the top five most admired pavilions at the ongoing 'World Expo 2025' in Osaka, Japan, it was announced on Saturday.

According to a review by Yamamoto-san, Deputy Pavilion Director and representative of the Japan Travel Bureau (JTB), the India Pavilion was ranked alongside global heavyweights such as the United States, Italy, France, and Japan.

The India Pavilion's popularity is based on feedback from Expo officials, Japanese citizens, and online engagement on social media platforms.

For the first time, the Ministry of Culture has been entrusted with the responsibility of curating the Pavilion — previously managed by the Ministry of Commerce.

The Indira Gandhi National Centre for the Arts (IGNCA) was appointed as the nodal agency to curate and execute this significant international showcase, which will remain open to the public until October 13.

Dr Sachchidanand Joshi, Member Secretary of IGNCA, stated that the Pavilion is a comprehensive reflection of India's ancient knowledge systems, modern technological aspirations, and growing global footprint.

Strategically located in the 'Connecting Lives Zone', the Pavilion encapsulates India's civilisational values while projecting its contemporary ambitions in sustainable development, innovation, and digital growth.

The Bharat Mandap stands as more than an architectural marvel; it is a living, breathing embodiment of India's cultural diplomacy. It offers a uniquely immersive experience to international visitors through rich exhibits, interactive cultural sessions, and artistic installations.

Despite receiving space allocation at a later stage, the IGNCA executed the vision with exceptional speed and finesse. Working closely with Japanese authorities, they created a Pavilion that seamlessly integrates heritage and innovation. This effort has garnered praise from global dignitaries, visitors, and cultural connoisseurs alike.

Unlike other international pavilions characterised by long queues and restricted access, the India Pavilion offers a smooth, welcoming, and inclusive experience.

At the spiritual heart of the Pavilion stands a magnificent image of Padmapani Bodhisattva, inspired by Ajanta cave murals — a symbol of India's timeless compassion. Artistic elements like the Blue Lotus Façade, Bodhi Tree Installation, and Flowing Waters express India's philosophical essence — interconnectedness, peace, and transformation.

ओसाका के वर्ल्ड एक्सपो के शीर्ष मंडपों में शामिल भारत मंडप, आईजीएनसीए ने किया तैयार

नई दिल्ली, 7 जून (हि.स.)। जापान के ओसाका में चल रहे वर्ल्ड एक्सपो में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए) द्वारा क्यूरेट किया गया 'भारत मंडप' सबसे लोकप्रिय आकर्षणों में उभर कर सामने आया है। इसने शीर्ष पांच मंडपों में जगह बनाई है। जापान ट्रैवल ब्यूरो (टीबी) के प्रतिनिधि और डिप्टी पेवेलियन डायरेक्टर यामामोटो-सान द्वारा की गई समीक्षा के अनुसार, भारत के मंडप को एक्सपो में अमेरिका, इटली, जापान और फ्रांस के साथ शीर्ष पांच मंडपों में स्थान दिया गया है। वर्ल्ड एक्सपो में मौजूद मंडपों की यह श्रेणी एक्सपो अधिकारियों, आम जनता और जापानी सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं से इनपुट के आधार पर बनाई गयी है।

ओसाका वर्ल्ड एक्सपो में भारत की भागीदारी की प्रगति के बारे में आईजीएनसीए के सदस्य सचिव डॉ. सच्चिदानंद जोशी ने शनिवार को यहां आयोजित पत्रकार वार्ता में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विश्व एक्सपो, 2025 में भारत पैवेलियन देश की प्राचीन ज्ञान परम्परा, आधुनिक आकांक्षाओं और वैश्विक भागीदारी का प्रमाण है। रणनीतिक रूप से 'कनेक्टिंग लाइव्स जोन' में स्थित यह पैवेलियन भारत की सभ्यतागत गहराई के साथ-साथ इसकी तकनीकी उन्नति और चिरस्थायी विकास के प्रति प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है।

सही मायनों में भारत मंडप न केवल एक सांस्कृतिक प्रदर्शनी स्थल बन गया है, बल्कि यह भारत की सांस्कृतिक कूटनीति यानी सॉफ्ट पावर का एक सशक्त माध्यम भी है, जो दुनिया के लोगों को भारत की विविधता, समृद्धि और नवाचार से परिचित कराता है।

उन्होंने कहा कि वाणिज्य मंत्रालय द्वारा संस्कृति मंत्रालय के मार्गदर्शन में की जा रही इस पहल को 'इंडिया ट्रेड प्रोमोशन ऑर्गनाइजेशन' (आईटीपीओ) और आईजीएनसीए के संस्थागत सहयोग से साकार किया जा रहा है। मंडप की रचनात्मक दृष्टि और गूढ़ सांस्कृतिक डिजाइन को आईजीएनसीए ने बहुत ही कम समय में क्रियान्वित किया है, जो न केवल संस्थागत दक्षता, बल्कि गहन सांस्कृतिक संवेदनशीलता को भी दर्शाता है।

देर से जगह के आवंटन के बावजूद आईजीएनसीए की टीम ने जापानी अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित करते हुए भारत मंडप में देश के सभ्यतागत मूल्यों की सूक्ष्मता को दर्शाते हुए एक गतिशील और व्यापक सांस्कृतिक अनुभव प्रदान किया, जिसे अब वैश्विक मंचों पर व्यापक रूप से सराहा जा रहा है।

उन्होंने कहा कि भारत मंडप में नवाचार (इनोवेशन), विरासत, आयुर्वेद, इसरो और सतत विकास को समर्पित विभिन्न सेक्शन शामिल हैं, जो भारत की भूमिगत संपदाओं से लेकर अंतरिक्ष तक की यात्रा का बखूबी चित्रण करते हैं। यह मंडप अतीत का सम्मान करते हुए भविष्य की संभावनाओं को भी दर्शाता है।

सीमित प्रवेश और लंबी कतारों वाले मंडपों के विपरीत भारत पैवेलियन में बहुत कम इंतजार के बाद एक निर्बाध अनुभव प्राप्त होता है, जिससे मेहमान अपनी सुविधा के साथ पेवेलियन का अवलोकन कर सकते हैं। इसके शानदार प्रदर्शन, प्रामाणिक भारतीय व्यंजन और इंटरैक्टिव सांस्कृतिक तत्व, जैसे- गरबा डांस वर्कशॉप, पारम्परिक परिधान प्रदर्शन और एक भारतीय आचार्य द्वारा लाइव योग सत्र उत्साही भीड़ को आकर्षित कर रहे हैं। बच्चे और परिवार विशेष रूप से इस जीवंत प्रदर्शनी का आनंद ले रहे हैं।

डॉ. जोशी ने कहा कि भारत पैवेलियन एक लोकप्रिय सांस्कृतिक गंतव्य बन गया है, जिसमें परम्परा की गर्मजोशी, रचनात्मकता और सुलभता तीनों का सुंदर मेल है और इन्हीं वजहों से इसकी सराहना हो रही है।

थीम और सांस्कृतिक दर्शन

अजंता की गुफाओं से प्रेरित करुणा के अवतार पद्मपाणि बोधिसत्व की छवि को भारत मंडप के केंद्र में रखा गया है। यह आधुनिक स्टोरीटेलिंग के साथ आध्यात्मिक सौंदर्य का संगम प्रतीत होता है। आईजीएनसीए ने 'नील कमल अग्रभाग', 'बोधिवृक्ष स्थापना' और 'बहती जलधारा' जैसे प्रतीकों के माध्यम से भारत की सनातन विचारधारा को आधुनिक वैश्विक संदर्भों में प्रस्तुत किया है, जो आगंतुकों को भारत के करुणा, परस्पर संबद्धता, गतिशीलता और बदलाव के शाश्वत संदेश का दर्शन कराते हैं।

शांति से परिपूर्ण कमल प्रांगण से लेकर गतिशील एकात्मकता लाउंज तक, मंडप उपनिषदों के ज्ञान 'वसुधैव कुटुम्बकम' अर्थात् विश्व एक परिवार है की भावना को दर्शाता है। यह अंतरराष्ट्रीय आगंतुकों को भारत की जीवंत विरासत के साथ एक सार्थक मुलाकात कराता है, जो समावेशिता, संवाद और आध्यात्मिक सद्भाव को रेखांकित करता है।

डॉ. जोशी ने कहा कि भारत का प्रतिनिधित्व करने का अर्थ है विचार, करुणा और उपलब्धियों की विरासत को आगे बढ़ाना। यह मंडप महज एक संरचना नहीं है, बल्कि यह एक जीवंत अनुभव है, जहां परम्परा नवाचार के साथ प्रवाहित होती है और विश्व को भारत की शाश्वत आत्मा की प्रतिध्वनि सुनाई देती है।

गौरतलब है कि ओसाका वर्ल्ड एक्सपो जिसे आधिकारिक रूप से 'एक्सपो 2025 ओसाका, कंसाई, जापान' नाम दिया गया है, एक वैश्विक प्रदर्शनी है। यह 13 अप्रैल से 13 अक्टूबर 2025 तक जापान के ओसाका शहर में आयोजित हो रही है। इसका मुख्य विषय है- 'डिजाइनिंग फ्यूचर सोसाइटी फॉर अवर लाइव्स' (हमारे जीवन के लिए भावी समाज की अभिकल्पना)। इस आयोजन में 160 से अधिक देश और 9 अंतरराष्ट्रीय संगठन भाग ले रहे हैं। इसमें करीब 2 करोड़ 80 लाख लोगों के आने की उम्मीद है।

आपका अख़बार

F2 F3 भारत

विश्व मंच पर भारत की सांस्कृतिक ध्वजा फहराई आईजीएनसीए ने

आपका अखबार ब्यूरो।

विश्व एक्सपो 2025, ओसाका में भारत की ओर से स्थापित 'भारत मंडप' न केवल एक स्थापत्य कला का चमत्कार है, बल्कि यह भारत की आध्यात्मिक परम्पराओं और आधुनिक उपलब्धियों का संगम है। इसे इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए) द्वारा परिकल्पित और डिज़ाइन किया गया है, जिसमें अजंता की गुफाओं से प्रेरित पद्मपाणि बोधिसत्व की छवि को केंद्र में रखा गया है।

भारत मंडप (इंडिया पेवेलियन) देश के दो हज़ार वर्ष पुराने कलात्मक और सांस्कृतिक मूल्यों को आधार बनाते हुए, 'वसुधैव कुटुंबकम्' अर्थात 'सारा संसार एक परिवार है' की भावना को सजीव करता है। आईजीएनसीए ने 'नील कमल अग्रभाग', 'बोधिवृक्ष स्थापना' और 'बहती जलधारा' जैसे प्रतीकों के माध्यम से भारत की सनातन विचारधारा को आधुनिक वैश्विक संदर्भों में प्रस्तुत किया है। आईजीएनसीए के सदस्य सचिव डॉ. सच्चिदानंद जोशी ने कहा कि भारत मंडप केवल एक प्रदर्शनी नहीं, बल्कि एक आत्मिक और सांस्कृतिक यात्रा है, जो भारत की आत्मा, उसकी परम्परा और उसकी प्रगति को उजागर करती है।

भारत मंडप में नवाचार (इनोवेशन), विरासत, आयुर्वेद, इसरो और सतत विकास को समर्पित विभिन्न सेक्शन शामिल हैं, जो भारत की भूमिगत संपदाओं से लेकर अंतरिक्ष तक की यात्रा का बखूबी चित्रण करते हैं। यह मंडप अतीत का सम्मान करते हुए भविष्य की संभावनाओं को भी दर्शाता है। भारत मंडप न केवल एक सांस्कृतिक प्रदर्शनी स्थल बन गया है, बल्कि यह भारत की सांस्कृतिक कूटनीति यानी सॉफ्ट पावर का एक सशक्त माध्यम भी है, जो दुनिया के लोगों को भारत की विविधता, समृद्धि और नवाचार से परिचित कराता है।

गौरतलब है कि ओसाका वर्ल्ड एक्सपो 2025, जिसे आधिकारिक रूप से 'एक्सपो 2025 ओसाका, कंसाई, जापान' कहा जाता है, एक वैश्विक प्रदर्शनी है। यह 13 अक्टूबर 2025 तक जापान के ओसाका शहर में आयोजित हो रही है। इसका मुख्य विषय है- 'डिजाइनिंग फ्यूचर सोसाइटी फॉर अवर लाइव्स' (हमारे जीवन के लिए भावी समाज की अभिकल्पना)। इस आयोजन में 160 से अधिक देश और 9 अंतरराष्ट्रीय संगठन भाग ले रहे हैं। इसमें करीब 2 करोड़ 80 लाख लोगों के आने की उम्मीद है। छह महीने तक चलने वाला यह आयोजन भविष्योन्मुखी मंडपों और उन्नत प्रौद्योगिकी के प्रदर्शन के माध्यम से हमारी दुनिया को पुनः परिभाषित करेगा।

सच्चाई भी अच्छाई भी
स्टार समाचार

ओसाका वर्ल्ड एक्सपो का आयोजन: भारत मंडप को निहार अभिभूत हो रही दुनिया

आईजीएनसीए संस्कृति मंत्रालय के अधीन एक स्वायत्त संस्थान है। आईजीएनसीए के सदस्य सचिव डॉ. सच्चिदानंद जोशी ने पत्रकारों के साथ बातचीत में कहा कि भगवान बुद्ध के संदेश को दर्शाने वाला 24 पंखुड़ियों वाला नीला कमल सततता की अवधारणा का पालन करता है, क्योंकि यह एक ऐसे फाइबर से बना है, जो जैव-अपघटनीय है।

By: Prafull tiwari | Jun 07, 2025 | 10:17 PM 1 0

नयी दिल्ली। जापान के ओसाका में आयोजित किये जा रहे 'वर्ल्ड एक्सपो' में भारत मंडप देश की समृद्ध विरासत को प्रस्तुत कर रहा है और इसका डिजाइन प्राचीन अंजता की गुफाओं के बोधिसत्व पद्मपाणि की छवि से प्रेरित है। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए) के एक शीर्ष अधिकारी ने शनिवार को यहां बताया कि जापान में आयोजित किये जा रहे इस भव्य मेले में नीले कमल के अग्रभाग वाला भारत मंडप फिलहाल 'सबसे अधिक देखे जाने वाले शीर्ष पांच मंडपों' में शामिल है।

बाद में आईजीएनसीए ने एक बयान में कहा कि शीर्ष पांच देशों की सूची में चार अन्य देश जिनके मंडपों में भारी भीड़ उमड़ रही है, वे हैं, अमेरिका, इटली, जापान और फ्रांस। अधिकारियों ने कहा कि भारत मंडप देश की प्राचीन ज्ञान परंपरा, आधुनिक आकांक्षाओं और वैश्विक साझेदारी का जीवंत प्रमाण है। उन्होंने कहा कि रणनीतिक रूप से 'कनेक्टिंग लाइव्स जोन' में स्थित, यह मंडप भारत की सभ्यतागत गहराई के साथ-साथ इसकी तकनीकी उन्नति और चिरस्थायी विकास के प्रति प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है।

आईजीएनसीए संस्कृति मंत्रालय के अधीन एक स्वायत्त संस्थान है। आईजीएनसीए के सदस्य सचिव डॉ. सच्चिदानंद जोशी ने पत्रकारों के साथ बातचीत में कहा कि भगवान बुद्ध के संदेश को दर्शाने वाला 24 पंखुड़ियों वाला नीला कमल सततता की अवधारणा का पालन करता है, क्योंकि यह एक ऐसे फाइबर से बना है, जो जैव-अपघटनीय है। यह छवि महाराष्ट्र की प्राचीन अजंता गुफाओं में स्थित एक भित्ति चित्र से ली गई है, जिसमें बोधिसत्व पद्मपाणि को उनके दाहिने हाथ में कमल पकड़े हुए दर्शाया गया है।

अधिकारियों ने बताया कि भारत मंडप में नवाचार (इनोवेशन), विरासत, आयुर्वेद, इसरो और सतत विकास को समर्पित विभिन्न वर्ग शामिल हैं, जो भारत की भूमिगत संपदाओं से लेकर अंतरिक्ष तक की यात्रा का बखूबी चित्रण करते हैं। यह मंडप अतीत का सम्मान करते हुए भविष्य की संभावनाओं को भी दर्शाता है। उन्होंने बताया कि मंडप के निर्माण पर लगभग 225 करोड़ रुपये का खर्च आया है, जो सहायक संचालन खर्चों को छोड़कर है।

जोशी ने बताया कि मंडप के अंदर एक विशाल 'बोधि वृक्ष' स्थापित किया गया है, इसके अलावा भारतीय वस्त्र विरासत, टेराकोटा कलाकृतियों और तांबे की एक गैलरी के खंड भी हैं। मंडप के अंदर अन्य क्षेत्रों में द्विपक्षीय कूटनीतिक वार्ताओं के लिए स्थान, भारत बाजार, देश के 'स्ट्रीट फूड' को प्रदर्शित करने वाला भारतीय खान-पान क्षेत्र, और एक कॉर्पोरेट हब शामिल हैं। सूत्रों ने बताया कि नीले कमल की विशाल पंखुड़ियां बेंगलुरु में निर्मित की गईं और अन्य कलाकृतियों तथा सामग्री के साथ इन्हें चेन्नई से हांगकांग होते हुए हवाई मार्ग से जापान पहुंचाया गया।

यह पहल वाणिज्य मंत्रालय के नेतृत्व में, संस्कृति मंत्रालय के मार्गदर्शन में चल रही है, और इसे भारत व्यापार संवर्धन संगठन (आईटीपीओ) तथा आईजीएनसीए के संस्थागत सहयोग से साकार किया जा रहा है। ओसाका वर्ल्ड एक्सपो 2025, जिसे आधिकारिक रूप से 'एक्सपो 2025 ओसाका, कंसाई, जापान' नाम दिया गया है, एक वैश्विक प्रदर्शनी है। जापान के ओसाका शहर में 13 अप्रैल से शुरू हुआ यह एक्सपो 13 अक्टूबर 2025 तक चलेगा। इस आयोजन में 160 से अधिक देश और 9 अंतरराष्ट्रीय संगठन भाग ले रहे हैं।

New Delhi, Jun 7 (PTI) The India Pavilion at the ongoing World Expo in Osaka is a celebration of the country's rich heritage, and its design with sustainability at core draws inspiration from the image of Bodhisattva Padmapani in the ancient Ajanta Caves.

A top official of the Indira Gandhi National Centre for the Arts (IGNCA) here on Saturday said, the pavilion with its iconic facade with blue lotus motif, is currently among the "top five most-visited pavilions" at the mega fair in Japan.

Later, the IGNCA, in a statement, said that the other four countries in the top five list, whose pavilions are drawing huge crowd are -- the US, Italy, Japan and France.

The India Pavilion stands as a testament to the nation's ancient wisdom, modern ambitions and global partnerships, officials said.

Strategically placed in the 'Connecting Lives' zone at the World Expo 2025 in Osaka, the pavilion captures India's civilisational depth while highlighting its technological advancement and commitment to sustainable development.

"It embodies the nation's values of inclusivity, sustainability and progress, serving as a bridge between its spiritual heritage and its ambitious future," according to a booklet on the pavilion shared by the IGNCA.

The IGNCA is an autonomous institution under the Ministry of Culture.

Sachchidanand Joshi, Member Secretary, IGNCA during an interaction with reporters said the the blue lotus with 24 petals, also carries the message of Lord Buddha while adhering to the idea of sustainability as they are made of a type of fibre that is biodegradable.

The imagery is drawn from a mural at the ancient Ajanta Caves in Maharashtra depicting the Bodhisattva Padmapani, holding a lotus in his right hand.

"The design of the pavilion is a tribute to Bodhisattva Padmapani (the Bodhisattva of Compassion) from the iconic Ajanta Caves, symbolising compassion, enlightenment and knowledge," the booklet says.

Through a seamless blend of architecture, storytelling and immersive experiences, the pavilion creates a dynamic space for cultural exchange, reinforcing its role in fostering global connections, it adds The Pavilion comprises diverse sections dedicated to innovation, heritage, Ayurveda, ISRO, and sustainable development, offering a compelling narrative of India's journey from its subterranean treasures to outer space. While paying homage to the past, the Pavilion also envisions the possibilities of the future, IGNCA officials said The cost incurred on the construction of the pavilion was around Rs 225 crore, exclusive of ancillary operational costs, they said.

Joshi said a huge 'Bodhi Tree' installation is inside the pavilion, besides sections on Indian textile heritage, terracotta artworks and a brass gallery.

"The pavilion spans 1,751 sq m, the indoor display is in an 'x-box' category structure allotted by the expo authorities to which not even a nail can be added. So, we wrapped a simple looking box with a blue lotus artwork, thereby both enhancing its appeal and projecting India's cultural heritage," he said.

Besides, plaques made of soils brought from different states and UTs and mixed in India, depicting cultural elements of different states have also been showcased, to depict the spirit of 'Ek Bharat Shreshth Bharat', the member secretary said.

Other zones inside the pavilion include bilateral spaces for diplomatic engagements, the Bharat Bazaar, Indian food zone showcasing the country's street food besides a corporate hub.

Sources said the huge petals of the blue lotus were manufactured in Bengaluru, and along with other artefacts and civil material were transported by air from Chennai to Japan via Hong Kong.

Since, some of the structures were very huge and had a massive weight, they had to be transported in parts in different flights, which were reassembled in Japan, they said, emphasising the challenges faced in putting together the pavilion.

This initiative is being spearheaded by the Ministry of Commerce, with the guidance of the Ministry of Culture, and is being realised with institutional collaboration from the India Trade Promotion Organisation (ITPO) and the IGNCA.

"The creative vision and intricate cultural design of the pavilion were executed by IGNCA in a remarkably short span of time, demonstrating not only institutional agility but deep-rooted cultural sensibility," the IGNCA said.

The World Expo 2025, currently underway in the city of Osaka, began on April 13 and will continue till October 13.

Over 160 countries and 9 international organisations are participating in the exposition, which is expected to attract nearly 28 million visitors, the IGNCA said. PTI KND NB NB

indiaEducationDiary.com

NATIONAL NEWS

India Pavilion Among The Top Pavilions At World Expo Osaka

By India Education Diary ... — On Jun 7, 2025

Share

IGNCA Entrusted with the Curation of the India Pavilion

India at World Expo Osaka: A Confluence of Culture, Commerce, and Compassion

Bharat Mandap: A Fusion of Ancient Cultural Heritage and Modern Progress

New Delhi: At the ongoing World Expo in Osaka, Japan, the Bharat Mandap, curated by the Indira Gandhi National Centre for the Arts (IGNCA), has emerged as one of the most popular attractions and secured a place among the top five pavilions. According to a review by Mr. Yamamoto-san, Deputy Pavilion Director and representative of the Japan Travel Bureau (JTB), the Indian Pavilion has been ranked among the top five alongside the United States, Italy, Japan, and France. This ranking is based on inputs collected from Expo officials, the general public, and Japanese social media users.

It is noteworthy that in previous World Expos, the curation of the India Pavilion was handled directly by the Ministry of Commerce. However, this time the responsibility has been entrusted to the Ministry of Culture, which in turn appointed the IGNCA to undertake this significant task. The Expo will continue until 13 October 2025.

Speaking on the progress of India's participation at Expo 2025 Osaka, IGNCA Member Secretary Dr. Sachchidanand Joshi informed on Saturday that the India Pavilion reflects the nation's ancient knowledge systems, modern aspirations, and global engagement. Strategically located in the 'Connecting Lives Zone', the Pavilion showcases both the depth of India's civilisational ethos and its commitment to technological advancement and sustainable development.

In its true essence, the Bharat Mandap has evolved not only into a cultural exhibition space but also into a powerful instrument of India's cultural diplomacy—its soft power—offering global audiences a glimpse into the nation's diversity, richness, and innovation.

According to Dr. Joshi, this initiative, driven by the Ministry of Commerce under the guidance of the Ministry of Culture, is being realised through institutional collaboration between the India Trade Promotion Organisation (ITPO) and IGNCA. The Pavilion's creative vision and profound cultural design were implemented by IGNCA within a remarkably short timeframe, reflecting both organisational efficiency and deep cultural sensitivity. Despite receiving the space allocation at a later stage, the IGNCA team coordinated closely with Japanese authorities to curate a dynamic and expansive cultural experience at the India Pavilion-one that highlights the nuances of India's civilisational values. This effort has received wide appreciation across global platforms.

The Bharat Mandap features various dedicated sections on innovation, heritage, Ayurveda, ISRO, and sustainable development—effectively illustrating India's journey from its subterranean treasures to the outer reaches of space. The Pavilion honours the past while simultaneously envisioning future possibilities.

In contrast to other pavilions with restricted entry and long queues, the India Pavilion offers a seamless experience with minimal wait time, allowing visitors to explore the space at their own convenience. Its magnificent exhibits, authentic Indian cuisine, and interactive cultural elements—such as Garba dance workshops, traditional costume displays, and live yoga sessions conducted by an Indian Acharya—are attracting enthusiastic crowds. Children and families, in particular, are enjoying this vibrant showcase. The colourful installations, photo-friendly corners featuring Himachali caps and handcrafted frames, have garnered widespread word-of-mouth praise and significant appreciation online. The India Pavilion has become a much-visited cultural destination, admired for its blend of warmth, creativity, and accessibility—all of which contribute to its acclaim.

Theme and Cultural Philosophy

At the heart of the Bharat Mandap stands the image of Padmapani Bodhisattva, the embodiment of compassion, inspired by the Ajanta cave murals. It offers a confluence of spiritual beauty and contemporary storytelling. Through symbolic elements like the Blue Lotus Façade, the Bodhi Tree Installation, and the Flowing Waters, IGNCA presents India's eternal philosophical vision in a modern global context—guiding visitors through timeless messages of compassion, interconnectedness, dynamism, and transformation.

From the tranquil Lotus Courtyard to the vibrant Oneness Lounge, the Pavilion reflects the Upanishadic ideal of Vasudhaiva Kutumbakam—"The world is one family." It offers international visitors a meaningful encounter with India's living heritage, underscoring inclusivity, dialogue, and spiritual harmony.

Dr. Sachchidanand Joshi, Member Secretary, IGNCA, remarked, "To represent India is to carry forward a legacy of thought, compassion, and achievement. This Pavilion is not merely a structure-it is a living experience, where tradition flows into innovation, and the eternal soul of India resonates with the world."

It is worth noting that Expo 2025 Osaka—officially titled Expo 2025 Osaka, Kansai, Japan—is a global exposition being held in Osaka, Japan, until 13 October 2025. The central theme of the event is 'Designing Future Society for Our Lives.' More than 160 countries and 9 international organisations are participating, with an estimated 28 million visitors expected. Running until 13 October 2025, this exposition aims to redefine our world through future-focused pavilions and the showcase of cutting-edge technologies.

यूनीवार्ता
UNIVARTA
Monday, Jun 9 2025 | Time 11:06 Hrs(IST)

जापान के व्यापार मेले में आकर्षण का केंद्र बन गया है आईजीएनसीए द्वारा सजाया गया भारत मंडप

नयी दिल्ली, 07 जून (वार्ता) जापान के ओसाका में चल रहे वर्ल्ड एक्सपो में भारत के इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए) द्वारा महात्मा बुद्ध के संदेशों को केंद्र में रख कर सजाया गया भारत पैवेलियन- 'भारत मंडप' वहां दर्शकों के बीच सबसे आकर्षक एवं लोकप्रिय मंडपों में उभर कर सामने आया है।
वाणिज्य मंत्रालय ने ओसाका व्यापार मेले में भारत के मंडप को सजाने का जिम्मा संस्कृत मंत्रालय के संगठन आईजीएनसीए को दिया था और इसे महात्मा बुद्ध के संदेशों को केंद्र में रखते हुये सजाया गया है।
आईजीएनसीए के सदस्य सचिव सच्चिदानंद जोशी ने यहां एक अनौपचारिक बातचीत में बताया कि इस वर्ष अप्रैल में शुरू ओसाका व्यापार मेले में 165 देशों के मंडप और स्टाल है, जिनमें भारत मंडप बड़ी श्रेणी के शीर्ष पांच मंडपों में जगह बनायी है। यह व्यापार मेला 13 अक्टूबर तक चलेगा।
उन्होंने जापान ट्रैवल ब्यूरो (टीबी) के प्रतिनिधि और डिप्टी पेवेलियन डायरेक्टर यामामोटो-सान द्वारा की गयी समीक्षा के हवाले से बताया कि भारत के मंडप को एक्सपो में अमेरिका, इटली, जापान और फ्रांस के साथ शीर्ष पांच मंडपों में स्थान दिया गया है। वर्ल्ड एक्सपो में मौजूद मंडपों की यह श्रेणी एक्सपो अधिकारियों, आम जनता और जापानी सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं की राय के आधार पर बनायी गयी है।
आईजीएनसीए की एक वीडियो प्रस्तुति के अनुसार अजंता की गुफाओं से प्रेरित करुणा के अवतार पद्मपाणि बोधिसत्व की छवि को भारत मंडप के केंद्र में रखा गया है। यह आधुनिक स्टोरी टेलिंग के साथ आध्यात्मिक सौंदर्य का संगम प्रतीत होता है। आईजीएनसीए ने 'नील कमल अग्रभाग', 'बोधिवृक्ष स्थापना' और 'बहती जलधारा' जैसे प्रतीकों के माध्यम से भारत
की सनातन विचारधारा को आधुनिक वैश्विक संदर्भों में प्रस्तुत किया है, जो आगंतुकों को भारत के करुणा, परस्पर संबद्धता, गतिशीलता और बदलाव के शाश्वत संदेश का दर्शन कराते हैं।
श्री जोशी ने बताया कि वहां भारत मंडप देश की प्राचीन ज्ञान परम्परा, आधुनिक आकांक्षाओं और वैश्विक भागीदारी का प्रमाण है। रणनीतिक रूप से 'कनेक्टिंग लाइव्स जोन' में स्थित, यह पैवेलियन भारत की सभ्यतागत गहराई के साथ-साथ इसकी तकनीकी उन्नति और चिरस्थायी विकास के प्रति प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है।
उन्होंने कहा कि मंडप में शांति से परिपूर्ण कमल प्रांगण से लेकर गतिशील एकात्मकता लाउंज तक, मंडप उपनिषदों के
ज्ञान 'वसुधैव कुटम्बकम' अर्थात विश्व एक परिवार है की भावना को दर्शाता है।

उन्होंने कहा, " सही मायनों में भारत मंडप न केवल एक सांस्कृतिक प्रदर्शनी स्थल बन गया है, बल्कि यह भारत की सांस्कृतिक कूटनीति यानी सॉफ्ट पावर का एक सशक्त माध्यम भी है, जो दुनिया के लोगों को भारत की विविधता, समृद्धि और नवाचार से परिचित कराता है। "
श्री जोशी ने कहा कि वाणिज्य मंत्रालय द्वारा संस्कृति मंत्रालय के मार्गदर्शन में की जा रही इस पहल को 'इंडिया ट्रेड प्रोमोशन ऑर्गनाइजेशन' (आईटीपीओ) और इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए) के संस्थागत सहयोग से साकार किया जा रहा है।
श्री जोशी ने बताया कि समय की कमी, जापान में श्रम, निर्माण और पारिस्थितिकी संरक्षण के कड़े मानकों को पूरा करते
हुये आईजीएनसीए की टीम ने मंडप में भारत के सभ्यतागत मूल्यों की सूक्ष्मता को दर्शाते हुए एक गतिशील और व्यापक सांस्कृतिक अनुभव प्रदान किया है। इसे वैश्विक मंचों पर व्यापक रूप से सराहा जा रहा है।
भारत मंडप में नवाचार (इनोवेशन), विरासत, आयुर्वेद, इसरो और सतत विकास को समर्पित विभिन्न सेक्शन शामिल हैं, जो भारत की भूमिगत संपदाओं से लेकर अंतरिक्ष तक की यात्रा का बखूबी चित्रण करते हैं। यह मंडप अतीत का सम्मान करते हुए भविष्य की संभावनाओं को भी दर्शाता है।
आईजीएनसीए के अनुसार मंडल में भारत केप्रामाणिक भारतीय व्यंजन और इंटरैक्टिव सांस्कृतिक तत्व, जैसे- गरबा डांस वर्कशॉप, पारम्परिक परिधान प्रदर्शन और एक भारतीय आचार्य द्वारा लाइव योग सत्र दर्शकों की उत्साही भीड़ को आकर्षित कर रहे हैं।
श्री जोशी का कहना है, "भारत का प्रतिनिधित्व करने का अर्थ है विचार, करुणा और उपलब्धियों की विरासत को आगे बढ़ाना। यह मंडप महज एक संरचना नहीं है, बल्कि यह एक जीवंत अनुभव है, जहां परम्परा नवाचार के साथ प्रवाहित होती है और विश्व को भारत की शाश्वत आत्मा की प्रतिध्वनि सुनाई देती है। "
ओसाका व्यापार मेले का मुख्य विषय है- 'डिजाइनिंग फ्यूचर सोसाइटी फॉर अवर लाइव्स' (हमारे जीवन के लिए भावी समाज की अभिकल्पना)। इस आयोजन में 160 से अधिक देश और नौ अंतरराष्ट्रीय संगठन भाग ले रहे हैं। इसमें करीब
दो करोड़ 80 लाख लोगों के आने की उम्मीद है।

India Pavilion Shines at World Expo 2025: A Fusion of Heritage and Innovation

The India Pavilion at the World Expo in Osaka is celebrated for its sustainable design, inspired by the Ajanta Caves' Bodhisattva Padmapani. Among the top-five most visited pavilions, it showcases India's cultural heritage, technological advancements, and commitment to sustainability, featuring diverse sections like the Bharat Bazaar and a corporate hub.

The India Pavilion stands as a beacon of cultural pride and technological advancement at the ongoing World Expo 2025 in Osaka. Drawing inspiration from the ancient Ajanta Caves, the pavilion incorporates sustainability at its core, symbolized by the iconic Bodhisattva Padmapani.

With its striking blue lotus façade, the pavilion has quickly become a favorite among visitors, ranking among the top five most-visited attractions. It offers a multifaceted experience that bridges India's rich spiritual heritage and its modern ambitions, emphasizing inclusivity and sustainability.

> Spanning 1,751 square meters, the pavilion includes sections dedicated to innovation, heritage, and sustainable development, offering visitors an immersive journey from India's cultural past to its futuristic aspirations. Spearheaded by the Ministry of Commerce, the pavilion highlights India's role in fostering global connections and cultural exchange.

THE WEEK

India Pavilion at Japan expo showcasing heritage sustainability draws crowd

New Delhi, Jun 7 (PTI) The India Pavilion at the ongoing World Expo in Osaka is a celebration of the country's rich heritage, and its design with sustainability at core draws inspiration from the image of Bodhisattva Padmapani in the ancient Ajanta Caves.

A top official of the Indira Gandhi National Centre for the Arts (IGNCA) here on Saturday said, the pavilion with its iconic facade with blue lotus motif, is currently among the "top five most-visited pavilions" at the mega fair in Japan.

Later, the IGNCA, in a statement, said that the other four countries in the top five list, whose pavilions are drawing huge crowd are -- the US, Italy, Japan and France.

The India Pavilion stands as a testament to the nation's ancient wisdom, modern ambitions and global partnerships, officials said.

Strategically placed in the 'Connecting Lives' zone at the World Expo 2025 in Osaka, the pavilion captures India's civilisational depth while highlighting its technological advancement and commitment to sustainable development.

"It embodies the nation's values of inclusivity, sustainability and progress, serving as a bridge between its spiritual heritage and its ambitious future," according to a booklet on the pavilion shared by the IGNCA.

The IGNCA is an autonomous institution under the Ministry of Culture.

Sachchidanand Joshi, Member Secretary, IGNCA during an interaction with reporters said the the blue lotus with 24 petals, also carries the message of Lord Buddha while adhering to the idea of sustainability as they are made of a type of fibre that is biodegradable.

The imagery is drawn from a mural at the ancient Ajanta Caves in Maharashtra depicting the Bodhisattva Padmapani, holding a lotus in his right hand.

"The design of the pavilion is a tribute to Bodhisattva Padmapani (the Bodhisattva of Compassion) from the iconic Ajanta Caves, symbolising compassion, enlightenment and knowledge," the booklet says.

Through a seamless blend of architecture, storytelling and immersive experiences, the pavilion creates a dynamic space for cultural exchange, reinforcing its role in fostering global connections, it adds

The Pavilion comprises diverse sections dedicated to innovation, heritage, Ayurveda, ISRO, and sustainable development, offering a compelling narrative of India's journey from its subterranean treasures to outer space. While paying homage to the past, the Pavilion also envisions the possibilities of the future, IGNCA officials said

The cost incurred on the construction of the pavilion was around Rs 225 crore, exclusive of ancillary operational costs, they said.

Joshi said a huge 'Bodhi Tree' installation is inside the pavilion, besides sections on Indian textile heritage, terracotta artworks and a brass gallery.

"The pavilion spans 1,751 sq m, the indoor display is in an 'x-box' category structure allotted by the expo authorities to which not even a nail can be added. So, we wrapped a simple looking box with a blue lotus artwork, thereby both enhancing its appeal and projecting India's cultural heritage," he said.

Besides, plaques made of soils brought from different states and UTs and mixed in India, depicting cultural elements of different states have also been showcased, to depict the spirit of 'Ek Bharat Shreshth Bharat', the member secretary said.

Other zones inside the pavilion include bilateral spaces for diplomatic engagements, the Bharat Bazaar, Indian food zone showcasing the country's street food besides a corporate hub.

Sources said the huge petals of the blue lotus were manufactured in Bengaluru, and along with other artefacts and civil material were transported by air from Chennai to Japan via Hong Kong.

Since, some of the structures were very huge and had a massive weight, they had to be transported in parts in different flights, which were reassembled in Japan, they said, emphasising the challenges faced in putting together the pavilion.

This initiative is being spearheaded by the Ministry of Commerce, with the guidance of the Ministry of Culture, and is being realised with institutional collaboration from the India Trade Promotion Organisation (ITPO) and the IGNCA.

"The creative vision and intricate cultural design of the pavilion were executed by IGNCA in a remarkably short span of time, demonstrating not only institutional agility but deep-rooted cultural sensibility," the IGNCA said.

The World Expo 2025, currently underway in the city of Osaka, began on April 13 and will continue till October 13.

Over 160 countries and 9 international organisations are participating in the exposition, which is expected to attract nearly 28 million visitors, the IGNCA said.

THE HINDU businessline
Companies / Markets / Portfolio / Opinion / Economy / PREMIUM

India Pavilion at Japan expo showcasing heritage, sustainability draws crowd

The India Pavilion stands as a testament to the nation's ancient wisdom, modern ambitions and global partnerships, officials said

The India Pavilion at the ongoing World Expo in Osaka is a celebration of the country's rich heritage, and its design with sustainability at core draws inspiration from the image of Bodhisattva Padmapani in the ancient Ajanta Caves.

bl.Conversations
Is AI taking away IT jobs?
Join the exclusive conversation with Atul Sahgal (Global Head of Talent Acquisition, Cognizant) and Venkatesha Babu (Resident Editor, businessline)
Register Now

A top official of the Indira Gandhi National Centre for the Arts (IGNCA) here on Saturday said, the pavilion with its iconic facade with blue lotus motif, is currently among the "top five most-visited pavilions" at the mega fair in Japan.

Later, the IGNCA, in a statement, said that the other four countries in the top five list, whose pavilions are drawing huge crowd are -- the US, Italy, Japan and France.

Asian Age

Bharat pavilion at expo in Japan emerges popular one

AGE CORRESPONDENT
NEW DELHI, JUNE 7

India's pavilion "Bharat" at the ongoing World Expo in Osaka, Japan, has emerged as one of the most popular attractions earning a place among top five. Strategically placed in the 'connecting lives' zone at the expo 2025, the pavilion captures India's civilisational depth while highlighting its technological advancement and commitment to a sustainable development.

The creative vision of an intricate design of the pavilion was executed by Indira Gandhi National Centre for the Arts (IGNCA), an autonomous institution under the ministry of culture. The expo began on April 13 and will continue till October 13. Over 160 countries and 9 international organisations are participating in the exposition, which is expected to attract nearly 28 million visitors, the IGNCA said.

"The other four countries in the top five list, whose pavilions are drawing huge crowds are — the US, Italy, host country Japan and France," the IGNCA said.

The IGNCA said that the India pavilion stands as a testament to the nation's ancient wisdom, modern ambitions and global partnerships. Its design draws inspiration from the image of Bodhisattva Padmapani in the ancient Ajanta Caves.

The IGNCA said that the cost incurred on the construction of the pavilion was around ₹225 crore, exclusive of ancillary operational costs.